RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 113
दि. 23.08.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

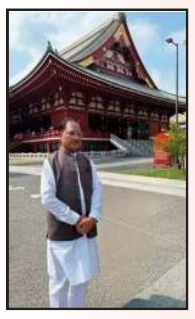

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जापान पहुंचने के बाद सबसे पहले जापान की राजधानी टोक्यो में स्थित ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर के दर्शन किए। टोक्यो का यह सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित मंदिर शांति और सामर्थ्य का प्रतीक माना जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की खुशहाली, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर मानवता को शांति और शक्ति का संदेश देता है और यही भाव छत्तीसगढ़ की जनता की आकांक्षाओं में भी झलकता है।

'भ्रष्टाचारी जेल में, सत्ता में नहीं', कोलकाता में टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अगस्त 2025 को कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) और विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद नेताओं को पद से हटाने वाले नए विधेयक का विरोध करने के लिए TMC, कांग्रेस और राजद जैसे दलों को आड़े हाथों लिया।

पीएम ने शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल में बंद बंगाल के सुधार सेवा मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा का जिक्र करते हुए कहा, 'अपराधी और भ्रष्ट लोग सत्ता में नहीं, जेल में होने चाहिए। लेकिन ळटउ के लोग जेल से भी सरकार चलाने की बेशर्मी दिखा रहे हैं।'

'जेल से सरकार चलाने की बेशर्मी'

कोलकाता की रैली में पीएम मोदी ने TMC पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री जेल में है, तो उसे हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। लेकिन देखिए, कितनी बेशर्मी है कि ळटउ का एक मंत्री शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल में है, फिर भी वह कुर्सी नहीं छोड़ रहा।' उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से चंद्रनाथ सिन्हा का जिक्र किया, जिनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शिक्षक भर्ती घोटाले में चार्जशीट दाखिल की है।

मोदी ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किए हैं, जो गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन से ज्यादा जेल में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों या मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान करते हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, 'ळटउ, कांग्रेस और राजद जैसे दल इस कानून का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपने पापों की सजा का डर है।'

'TMC ने बंगाल का भविष्य बर्बाद किया'

पीएम मोदी ने TMC सरकार पर बंगाल के युवाओं और महिलाओं की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए कहा, 'TMC ने हजारों शिक्षकों और उनके परिवारों का भविष्य बर्बाद कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में पहली बार एक साथ 2055 नई ग्राम पंचायतों को अपने पंचायत घर के निर्माण के लिए 490 करोड़ रुपए का अनुदान मंजूर किया

गांधीनगर, 22 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ग्राम पंचायत घर तथा पटवारी-सह-मंत्री आवास योजना में 100 प्रतिशत सेचुरेशन लाने के उद्देश्य से राज्य में 2055 नए ग्राम पंचायत घरों के लिए 489.95 करोड़ रुपए का अनुदान मंजूर किया है।

मुख्यमंत्री ने यह अनुदान मंजूर करने में त्रिस्तरीय पंचायती राज स्वयवस्था की महत्वपूर्ण एवं बुनियादी इकाई ग्राम पंचायतों को उनका अपना पंचायत घर उपलब्ध कराने का उद्देश्य रखा है।

राज्य के जर्जर पंचायत घर वाली तथा पंचायत घर रहित ग्राम पंचायतों को नए पंचायत घर एवं पटवारी-सह-मंत्री आवास निर्माण के लिए राज्य सरकार के पंचायत विभाग द्वारा हर वर्ष बजट से वित्तीय आवंटन किया जाता है और आवश्यकता के अनुसार पंचायत घरों का निर्माण भी होता है।

तद्अनुसार; ग्राम पंचायत घर व

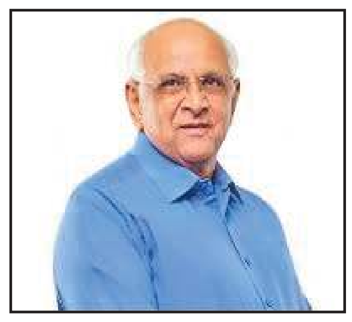

पटवारी-सह-मंत्री आवास निर्माण के लिए 10 हजार से अधिक जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों को 40 लाख रुपए, 5 हजार से 10 हजार तक की जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों को 34.83 लाख रुपए तथा 5 हजार से कम जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों को 25 लाख रुपए का अनुदान दिया जाता है। श्री पटेल ने इस संदर्भ में पहली बार एक साथ राज्य की 2055 ग्राम पंचायतों में नए पंचायत घर के लिए सम्बद्ध गाँव की जनसंख्या आधारित यूनिट कोस्ट के अनुसार समग्रतया 489.95 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं

जिसके फलस्वरूप अधिकांश ग्राम पंचायतें इसी वर्ष अपने भवनों का निर्माण कार्य शुरू कर सकेंगी।

इतना ही नहीं; मुख्यमंत्री ने आधुनिक सुविधाओं से युक्त ग्राम पंचायत कार्यालयों द्वारा नागरिकों को ग्रामीण स्तर पर सही आसानी से एवं तेज सेवाएँ मुहैया कराने का सकारात्मक दृष्टिकोण भी अपनाया है।

पीएम मोदी के गयाजी दौरे पर लालू यादव का तंज, 'नीतीश और जेडीयू का पिंडदान करने आए हैं'

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को गयाजी पहुंचे और वहां से विपक्ष को दो टूक संदेश दिया है। भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे लालू परिवार पर निशाना साधते हुए उन्होंने हालिया संविधान (संशोधन 130) विधेयक का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम हो या सीएम भ्रष्टाचारियों को नहीं बख्शा जाएगा। इधर पीएम के दौरे पर निशाना साधते हुए लालू यादव ने कहा कि पीएम बिहार में नीतीश कुमार और जेडीयू की राजनीति का पिंडदान करने गयाजी आए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अब दो महीने से भी कम का समय बचा है। इंडिया अलायंस ने प्रदेश में वोट अधिकार यात्रा निकाली है जिसमें तेजस्वी यादव और राहुल गांधी साथ नजर आए हैं। दूसरी ओर पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी के बड़े नेताओं समेत सीएम नीतीश कुमार भी चुनावी मोड

में हैं और प्रदेश के लिए लगातार अहम योजनाओं का ऐलान कर रहे हैं। आरजेडी प्रमुख लालू यादव का तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गयाजी यात्रा पर तंज कसते हुए लालू यादव ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जी आज गया में नीतीश कुमार की राजनीति और उनकी पार्टी का पिंडदान करने आ रहे हैं।' बता दें कि तेजस्वी यादव और उनके पिता लालू लगातार यह दावा कर रहे हैं कि नीतीश कुमार का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। बीजेपी ने उनकी पार्टी और सरकार हाईजैक कर ली है। तेजस्वी ने भी इस दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि गयाजी से फिर एक बार झूठ और जुमलों की बारिश होगी।

पीएम मोदी ने बिहार के लिए की सौगातों की बौछार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में 13,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

'मैं माला तब पहनुंगा...' 2027 चुनाव से पहले कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत ने कह दी बड़ी बात, मचा घमासान

पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने एक बार फिर बड़ी प्रतिज्ञा ली है, हरक सिंह रावत ने कहा कि वे तब तक माला नहीं पहनेंगे, जब तक सत्ता से भाजपा को हटा नहीं देते। हरक सिंह ने पूरे जोश के साथ ये ऐलान किया। जिसके बाद कांग्रेस के बड़े नेताओं ने भी जमकर ताली बजाकर इसका समर्थन किया। बता दें कि बीते दिनों से हरक सिंह रावत लगातार भाजपा पर हमलावर हैं। उत्तराखंड कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह 2027 विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले ही हमलावर हो गए हैं। हरक सिंह भाजपा पर जमकर हमला कर रहे हैं।

किसानों की समस्याओं और यूरिया की कमी को लेकर एक बड़ा आंदोलन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वाराकुत्ते को ज्ञापन सौंपने की घटना ने मचाया तूफान

(जीएनएस)।

20 अगस्त 2025 को छिंदवाड़ा में कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं और यूरिया की कमी को लेकर एक बड़ा आंदोलन किया था। इस प्रदर्शन में पूर्व सांसद नकुलनाथ, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

आंदोलन के बाद कांग्रेस नेता कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां वे कलेक्टर शीलेंद्र सिंह को किसानों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपना चाहते थे। लेकिन कलेक्टर के न आने पर नेताओं का गुस्सा भड़क गया। नाराजगी में उमंग सिंघार और जीतू पटवारी ने प्रतीकात्मक रूप से एक आवारा कुत्ते के गले में ज्ञापन की माला बांध दी। इस घटना का वीडियो

छिंदवाड़ा में सियासी बवाल:

सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसने मध्य प्रदेश की सियासत में डर के साये में काम कर रहे हैं। लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि

भूचाल ला दिया।

गुरुवार को धार में कांग्रेस जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी के पदभार ग्रहण समारोह में उमंग सिंघार ने इस घटना का जिक्र करते हुए कलेक्टर पर तंज कसा। उन्होंने कहा, "छिंदवाड़ा में मैंने कहा था कि अगर कलेक्टर नहीं आएगा, तो देख लेना। जब वह नहीं आया, तो मैंने एक कुत्ते को बुलाया और उसे छिंदवाड़ा का कलेक्टर बना दिया। फिर हमने उस कुत्ते को ज्ञापन सौंप दिया।" सिंघार ने बीजेपी सरकार पर भी निशाना साधा और कहा, "यह बीजेपी की सरकार है, और अधिकारी कांग्रेस की सरकार भी आएगी। जो कलेक्टर और आईएएस पार्टीबाजी करेंगे, उन्हें हम राम नाम सत्य का मतलब समझाएंगे।"

कलेक्टर की चुप्पी, बीजेपी का पलटवार

छिंदवाड़ा के कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। जब भास्कर ने उनसे इस घटना और कांग्रेस के आरोपों पर सवाल किया, तो उन्होंने कहा, "मैं राजनीतिक व्यक्ति नहीं हूं। इस मामले पर कुछ नहीं कहूंगा।" उनकी इस प्रतिक्रिया ने सियासी हलकों में और चर्चा को जन्म दे दिया।

वहीं, बीजेपी ने इस घटना को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। बीजेपी ने इसे प्रशासनिक अधिकारियों का अपमान बताया और कहा कि कांग्रेस अपनी हताशा में इस तरह के हथकंडे अपना रही है। बीजेपी के एक प्रवक्ता ने कहा, "कांग्रेस ने छिंदवाड़ा में जो किया, वह न केवल कलेक्टर का अपमान है, बल्कि यह संवैधानिक पदों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। उमंग सिंघार का यह बयान उनकी हताशा और अराजकता को दर्शाता है।"

क्यों भड़की कांग्रेस?

20 अगस्त को छिंदवाड़ा में कांग्रेस ने 'किसान बचाओ आंदोलन' के तहत एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया था। इस आंदोलन में यूरिया की कमी, भू-माफियाओं द्वारा आदिवासियों की जमीन हड़पने और कथित वोट चोरी जैसे मुद्दे उठाए गए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के ज्ञापन लेने न आने पर नेताओं का गुस्सा भड़क गया।

ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में सा. अफ्रीका ने किया ध्वस्त, 84 रनों से दर्ज की धमाकेदार जीत

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में खेले गए दूसरे वनडे में 84 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। यह जीत साउथ अफ्रीकी टीम के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेजबानों को कोई मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का प्रदर्शन एक बार फिर निराशाजनक रहा।

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम ने 49.1 ओवर में 277 रन बनाए।

दिल्ली में उत्तराखंड भाजपा की विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बड़ी बैठक, संगठन, सरकार, सांसदों के बाद क्या हुई चर्चा

(जीएनएस)।

भाजपा ने उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर मंथन शुरू कर दिया है। इसी सिलसिले में दिल्ली में उत्तराखंड भाजपा की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान पंचायत चुनाव के परिणाम, सरकार व संगठन के समन्वय के साथ ही सांसदों से भी फीडबैक लिया गया।

बैठक में आगामी विधानसभा 2027 के चुनाव को लेकर मंथन हुआ है साथ ही सरकार एवं संगठन को लेकर सांसदों ने अपनी बात रखी। इस दौरान पंचायत चुनाव परिणामों और प्रदेश, जिला टीमों के गठन पर भी चर्चा हुई।संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें प्रदेश प्रभारी, सीएम, प्रदेश अध्यक्ष समेत सांसद मौजूद

रहे।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा, 2027 के चुनाव की दृष्टि और सरकार एवं संगठन को लेकर सांसदों के विचार आए हैं। सरकार द्वारा भी राज्य मैं चलाए जा रहे जन कल्याणकारी कार्यों एवं मानसून सत्र की कार्यवाही की जानकारी साझा की गई। संगठन के आगामी कार्यक्रमों में किस तरह सांसदों की भूमिका और अधिक प्रभावी हो इसको लेकर उनके मंडलों में मंडलों, बूथों तक दौरों को लेकर भी चर्चा हुई। हाल में जो पंचायत चुनाव संपन्न हुए हैं उसमें अभूतपूर्व जीत पर सभी सांसदों ने सरकार और संगठन के समन्वय को सराहा है।

संसद में सुरक्षा चूकः युवक दीवार फांदकर घुसने की कोशिश में पकड़ा गया

(जीएनएस)। देश की सर्वोच्च संस्था संसद भवन में शुक्रवार,22 अगस्त की सुबह सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 6 बजे एक व्यक्ति संसद की दीवार फांदकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया है।

दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना सुबह 6 बजे की है, जब सुरक्षा गार्डों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को संसद की दीवार पर चढ़ते हुए देखा।

बताया जा रहा है कि उसने दीवार फांदकर संसद परिसर में प्रवेश करने की कोशिश की और अंदर कूदने का भी प्रयास किया। हालांकि, सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को पकड़ लिया

राज्यसभा के एक अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा -"आज सुबह 6 बजे एक व्यक्ति ने अनुचित तरीके से संसद भवन में घुसने का प्रयास किया। उसे तुरंत पकड़ लिया गया है और आगे की पूछताछ की जा रही है।"

संसद परिसर को देश की सबसे सुरक्षित इमारतों में गिना जाता है। यहां प्रवेश के लिए कई स्तरों की सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ता है। बावजूद इसके, एक व्यक्ति का दीवार फांदकर अंदर जाने की कोशिश करना गंभीर चिंता का विषय बन गया है। घटना के बाद दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और संसद सुरक्षा बल ने इलाके की सुरक्षा समीक्षा शुरू कर दी है।

पकड़े गए युवक से लगातार पूछताछ की जा रही है। अभी तक उसकी पहचान और मकसद की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस यह जांच कर रही है कि वह युवक किस नीयत से संसद भवन के भीतर प्रवेश करना चाहता था-क्या वह सिर्फ जिज्ञासा या मानसिक असंतुलन की वजह से आया था, या फिर इसके पीछे कोई साजिश है।

बड़ा सवालः सुरक्षा पर उठे सवाल

इस घटना के बाद एक बार फिर संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में संसद परिसर में सुरक्षा बढ़ाने की कई सिफारिशें की गई थीं, लेकिन शुक्रवार सुबह हुई यह घटना बताती है कि सुरक्षा चक्र में अभी भी कुछ कमजोरियां हैं। संसद में घुसपैठ की यह कोशिश न केवल सुरक्षा एजेंसियों के लिए चेतावनी है, बल्कि देश की

सम्पादकीय

संसद का मानसून सत्र में सही नहीं रहा हंगामे का दौर

संसद का मानसून सत्र निर्धारित 21 अगस्त यानि बृहस्पतिवार को अनिाित काल के लिए समाप्त हो गया किन्तु कई सवाल ऐसे खड़े हो गए हैं जिनका सीधा संबंध संवैधानिक संस्थानों के मान मर्यादा एवं प्रातिष्ठा से है। दरअसल मानसून सत्र के दौरान काम काज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे किन्तु इस दौरान लोकसभा में 37 घंटे और राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। सत्र के दौरान 15 विधेयक पारित किए गए। कुल मिलाकर लोकसभा में कार्य उत्पादकता 31 प्रातिशत रही जबकि राज्यसभा में यह 39 प्रातिशत रही। संसद के दोनों सदनों में सरकार ने जो आवश्यक विधेयक समझा उसे पारित भी करवाया और अपने सारे जरूरी कामकाज पूरे करके 21 अगस्त को निर्धारित कालावधि के अनुसार सत्रावसान की घोषणा कर दी। किन्तु सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो 15 विधेयक पारित हुए हैं उनमें से कितने ऐसे हैं जिन पर सभी पार्टियों के सांसदों ने गंभीरता से विचार और बहस की? इस सवाल का सीधा जवाब यह है कि विपक्ष को तो छोड़िए बहस तो सत्तापक्ष के सदस्यों ने भी नहीं की। इसका मतलब तो यह हुआ कि जो मौलिक स्वरूप संसदीय प्राविया का संविधान निर्मात्रीसभा ने सुनिाित किया था, वह धीरे-धीरे बदल चुका है। यही नहीं संसद के सन्नियमों का जो प्रारूप संसदीय कार्यवाही के संचालन लिए बनाया गया है, उसे सत्तापक्ष अपनी सुविधा की दृष्टि से देखता है जबकि विपक्ष अपनी सुविधा के अनुसार आचरण करता है। विपक्ष सरकार पर आरोप लगाता है कि संसद सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी उसकी है जबकि सरकार को विपक्ष पर सीधा आरोप है कि वह संसद की कार्यवाही को बाधित करने के लिए बहाने खोजता है। सच तो यह है कि विपक्ष के लिए संसद का सुचारू रूप से चलना उसी के लिए फायदेमंद है क्योंकि वह अपनी सारी बातें सदन में बोल सकता है। वह मंत्रियों को उनका कर्तव्यबोध तो करा ही सकता है बल्कि पूरी सरकार को घुटनों पर ला सकता है। जब विपक्षी सदस्य हंगामा करके संसद को बाधित करते हैं तो कदाचित पार्टियों के संसदीय नेताओं को इस बात का एहसास होता होगा कि वह सरकार को विवश करने में सक्षम हैं। किन्तु वास्तविकता तो यह है कि जब संसद में हंगामे के कारण कामकाज बाधित होता है तो इसका सबसे ज्यादा लाभ मंत्रालयों के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को होता है। वे इस बात के लिए राहत की सांस लेते हैं कि सांसदों के अटपटे सवालों का जवाब देने से उनकी जान बची। कभी-कभी सत्तापक्ष के सांसद भले ही वुछ सवाल असुविधाजनक पूछते हैं, किन्तु ज्यादातर सवाल विपक्षी सांसद ही पूछते हैं। आज स्थिति इतनी दुःखद इसलिए भी हो गई है क्योंकि सदन के नेता और सदन में नेता विपक्ष दोनों ने अपने विचार, व्यवहार और मूल्यों की जो धारणा बना ली है, वह उनकी पाटा के लिए भले ही लाभकारी हो किन्तु देश के हितों के प्राति तो बिल्वुल ही अनुवूल नहीं है। पहले दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारी अपने-अपने सदन के नेता विपक्ष से सरकार के समन्वय स्थापित करने के प्रामुख कारक होते थे। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति सदन चलाने के लिए संसदीय कार्यमंत्री और दोनों सदनों के नेता विपक्ष से सलाह करके पैसले कर लिया करते थे। ऐसा इसलिए संभव था क्योंकि विपक्ष के नेताओं पर संसदीय कार्यमंत्री का अत्याधिक भरोसा हुआ करता था। न तो विपक्ष के नेता संसदीय कार्य को अपनी पाटा के हितों से ज्यादा महत्वपूर्ण मानते थे और न ही संसदीय कार्यमंत्री के लिए सरकार के हितों की चिन्ता संसदीय मर्यादाओं एवं प्राथाओं से ज्यादा महत्वपूर्ण थी। पहले प्राधानमंत्री और सरकार के मंत्री संसदीय कार्यमंत्री की अहमियत को महसूस करते थे और उनके कार्य में किसी भी तरह की टांग नहीं अड़ाते थे। किन्तु आज स्थिति ऐसी नहीं है। अब तो संसदीय कार्यमंत्री प्राधानमंत्री, मंत्रियों और सरकार के प्राभाव से खुद को मुक्त कर ही नहीं सकते। बहरहाल आज जो स्थिति दिख रही है इसका निर्माण एक दिन में नहीं हुआ है। पहले पक्ष और विपक्ष के नेता व सांसद खुले दिल से बहस करते थे और सरकार की जवाबदेही का उसे एहसास कराते थे किन्तु सरकार को लंगड़ा करने का प्रायास

अभूतपूर्व अशोभनीय स्थिति का अंत करने की मजबूरी में प्रेस वार्ता को मजबूर हुआ ईसी

इस अशोभनीय स्थिति का अंत हो तो वैसे

चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुत्त ज्ञानेश वुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया हो।

यह अभूतपूर्व अशोभनीय और अनेक अर्थो में अस्वीकार्य व आपत्तिजनक स्थिति है। देश के वुछ नेता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग (ईसी) के विरुद्ध संसद से सड़क तक अभियान चलाएं इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी।

अगर आईएनडीआईए सांसदों की बैठक में चुनाव आयोग के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव जैसा प्रस्ताव लाने की बात उठी तो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे डरावनी स्थिति वुछ हो ही नहीं सकती। हालांकि इस सत्र का अवसान हो रहा है और इसमें प्रस्ताव आ नहीं सकता। दूसरे, प्रस्ताव आया भी तो सदस्य संख्या के हिसाब से यह गिर जाएगा। कितु इस पर विचार होना ही अंदर से हिला देने वाला है। चुनाव आयोग ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट बोला है कि या तो जो आरोप लगा रहे हैं उसका प्रमाण दें नहीं तो क्षमा मांगे। दूसरी ओर बिहार में वोट अधिकार यात्रा के नाम से यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने सासाराम में यात्रा आरंभ करते हुए कहा कि न हम चुनाव आयोग से डरने वाले हैं और न तेजस्वी यादव।

राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों - सलाहकारों तथा इनके पिछले लंबे समय से चुनाव आयोग और संपूर्ण चुनाव प्रणाली की साख पर चोट करने के लगातार अभियानों पर दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि उनकी ऐसी ही प्रतिव्रिया आती रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा पहले अपने आरोपों पर शपथ पत्र मांगने के विरुद्ध उनकी प्रतिािया थी कि मुझे शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं। उन्होंने यह तर्व दे दिया कि मैंने संविधान की शपथ लिया है तो उससे बड़ा शपथ क्या हो सकता है। साफ है कि जब वह बारबार चुनाव आयोग को भाजपा का एजेंट बता रहे हो और आईएनडीआईए के घटकों से उन्हें समर्थन भी मिल रहा हो तो वे क्यों पीछे हटेंगे? भारतीय राजनीति में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गरिमा और मर्यादा का भाव होता तो चुनाव आयोग के विरुद्ध इस तरह की भाषा प्रयोग नहीं की जाती।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सबसे बडा हमला करते हुए अपने 1 घंटे 11 मिनट के वत्तव्य में 21 पृष्ठों के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से साबित करने की कोशिश की कि चुनाव आयोग भाजपा की मदद करने के लिए मतदाता सूची में जबरदस्त गड़बड़ी करता है और जहां भाजपा को चुनाव में पराजित होना चाहिए वहां मतदाताओं की फजा संख्या के आधार पर जीत दिला देता है। चुनाव आयोग के विरुद्ध नई लड़ाई का आरंभ उन्होंने बिहार में 17 अगस्त से 2 सितंबर तक की वोट अधिकार यात्रा से कर दिया। इसका फोकस ही चुनाव आयोग और उसके द्वारा आरंभ एसआईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान है। राहुल गांधी का पूरा अभियान सुनियोजित है।

कांग्रेस पाटा द्वारा एक वेब पोर्टल बनाकर लोगों से कहा गया है कि कि चोरी के वीरुद्ध जवाब दें तथा डिजिटल मतदाता सूची के मांग का समर्थन करें। कहने का तात्पर्य कि लंबी तैयारी से कांग्रेस पाटा ने इसे आरंभ किया है। चूंकि इस तरह कभी राजनीतिक परटियों के नेताओं को चुनाव आयोग के विरुद्ध आरोप लगाते और अभियान छेड़ते नहीं देखा गया इसलिए यह निष्कर्ष निकालना कठिन है कि आखिर इसका परिणाम क्या आएगा? इसका अंत वैसे होगा? इसका अंत होगा या नहीं? आखिर चुनाव आयोग क्या करे? राहुल गांधी ने कर्नाटक के मध्य बेंगलुरु संसदीय क्षेत्र के महादेवपूरा विधानसभा का अपने दृष्टि से आंकड़ा दिया उस पर पहले ही कर्नाटक चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण आ चुका है।

उन्होंने पांच विधानसभा में जीतने और एक में भाजपा के वोट बढ़ जाने से पराजय को चुनाव आयोग की चोरी बता दिया। उनके अनुसार दोनों परटियों को मिले वोटों का अंतर 32,707 था लेकिन महादेवपुरा की गणना में अंतर 1,14,046 का रहा। तो 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी हुई। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों जगह भाजपा की बढ़त के लिए चुनाव आयोग को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। पहले कर्नाटक चुनाव आयोग ने एक महिला मतदाता शवुन रानी द्वारा दो बार वोट डालने के आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि आपने जो दस्तावेज दिए उसको मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर वाले नहीं थे, आपको कहां से यह जानकारी मिली बताएं? अन्य मतदाता भी सामने आए तथा बताया कि वह उन्होंने एक ही जगह वोट डाला है। राहुल गांधी ने इसका कोई उत्तर नहीं दिया। उनको उत्तर देना भी नहीं है। उनको पता है कि महाराष्ट्र के धुले लोकसभा सीट पर।

भाजपा भी पांच विधानसभा में आगे थी लेकिन मालेगांव सेंट्रल में कांग्रेस को 1 लाख 94000 वोट आ गए और वह जीत गई। राहुल गांधी इन तथ्यों से अप्रभावित होकर चुनाव आयोग के विरुद्ध अपने अभियान पर कायम हैं। उनके पहले के आरोपों पर भी चुनाव आयोग ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उत्तर दिया। एक संवैधानिक संस्था की सीमाएं होती है और वह यही कर सकता था। चुनाव आयोग ने वत्तव्य जारी किया कि आप फजा मतदाताओं का आरोप लग रहे हैं तो नियम के अनुसार शपथ पत्र दीजिए ताकि निर्धारित प्रव्रिया से जांच की जाए। आयोग ने नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया तो राहुल गांधी सारे विपक्षी सांसदों को लेकर जाने लगे। यह क्या है? चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुत्त ज्ञानेश वुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया ही।

कृति सेनन ने की संजय लीला भंसाली को बताया 'हिम्मती फिल्ममेकर', जाने क्यों?

(जीएनएस)।

संजय लीला भंसाली अपनी फिल्मों और म्यूजिक की वजह से इंडस्ट्री में जाने जाते हैं। उनकी फिल्में एक से बढ़कर एक रहती हैं। उन्होंने 'गंगूबाई काठियावाड़ी' फिल्म बनाई थी, जिसने 5 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे। इस फिल्म को हर तरफ से खूब प्यार मिला। संजय की ये फिल्म एक महिला प्रधान कहानी को दिखाती है। जिसमें अलिया भट्ट लीड रोल में थीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में भी अच्छा कलेक्शन किया। अब इस फिल्म को लेकर कृति सेनन ने संजय की तारीफ की है।

कृति सेनन ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की तारीफ करते हुए कहा, "हमें विषय पर जोखिम लेना चाहिए, न कि इस पर कि फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभा रहा है। अगर महिला प्रधान फिल्म की बात करें, तो मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही फिल्म आती है जो बड़े बजट और बड़े पैमाने पर बनी है, और वह है 'गंगूबाई काठियावाड़ी'। आपको यह फिल्म बहुत शानदार लगती है। यह फिल्म तब भी वैसी ही दिखती अगर इसमें कोई पुरुष मुख्य भूमिका में होता।"

कृति सेनन ने कहा, "मुझे लगा कि इस फिल्म का बजट, इसके शॉट्स, सब कुछ बहुत बड़े स्तर पर लिया गया था। जब कोई हीरो फिल्म में एंट्री लेता है, तो उसे 'हीरो शॉट' कहते हैं, जिसमें उसे बहुत बड़ा और शानदार दिखाया जाता है। ऐसा आमतौर पर तब नहीं होता जब कोई महिला फिल्म में लीड रोल में हो। इसलिए, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। कम से कम किसी में इतनी हिम्मत तो थी कि उसने एक महिला प्रधान फिल्म पर इतना पैसा लगाया।"

अब संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म लव एंड वॉर को लेकर इंतजार और भी बढ़ गया है। सोचिए, संजय लीला भंसाली और टैलेंटेड तिकड़ी रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की ये जबरदस्त कोलैबोरेशन बड़े पर्दे पर कितनी शानदार होगी। फिल्म 20 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

'डिजिटल अरेस्ट' का खौफनाक खेल खत्म! गृह मंत्रालय का तगड़ा प्लान तैयार, अब टूटेगी ठगों की कमर

(जीएनएस)।

भारत में साइबर ठगों ने एक नया हथकंडा अपनाया है-'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर लोगों से लाखों-करोड़ों की ठगी! लेकिन अब गृह मंत्रालय ने इन ठगों की कमर तोड़ने के लिए कमर कस ली है।

फर्जी पुलिस बनकर लोगों को डराने और उनकी मेहनत की कमाई लूटने वाले इन साइबर अपराधियों के खिलाफ मंत्रालय की सख्त कार्रवाई शुरू हो चुकी है।

मुंबई में ठग गिरफ्तार, बुजुर्ग महिला से ठगे ₹7.8 करोड़

हाल ही में मुंबई साइबर पुलिस ने 20 साल के कार्तिक चौधरी को धर दबोचा, जो एक ऐसे गिरोह का हिस्सा था, जिसने 81 साल की एक बुजुर्ग महिला से ₹7.8 करोड़ ठग लिए। इस गिरोह ने फर्जी कॉल और मैसेज के जरिए महिला को गिरफ्तारी का डर दिखाया और उनकी जमा-पूंजी हड़प ली। कार्तिक ने 'मनी म्यूल' की तरह काम किया, यानी ठगी के पैसे को इधर-उधर ट्रांसफर करने में मदद की और बदले में ₹1.98 लाख का कमीशन लिया।

क्या है 'डिजिटल अरेस्ट' का जाल?

ये साइबर ठग फोन कॉल या मैसेज के जरिए लोगों को डराते हैं कि उनके बैंक खाते, आधार नंबर या कोई कूरियर पैकेज किसी बड़े अपराध से जुड़ा है। फिर धमकी देते हैं कि अगर तुरंत 'जुमार्ना' नहीं भरा, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कुछ मामलों में तो ये लोग जाली 'डिजिटल अरेस्ट नोटिस' भी भेजते हैं, जो बिल्कुल असली लगते हैं। लेकिन गृह मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि कोई भी सरकारी एजेंसी इस तरह के नोटिस जारी नहीं करती।

2024 में ₹120 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

जनवरी से अप्रैल 2024 के बीच डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों ने देशभर में ₹120.3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान पहुंचाया। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों में ये मामले तेजी से बढ़े हैं। लेकिन अब गृह मंत्रालय की सख्ती से इन ठगों की शामत आने वाली है।

'द बंगाल फाइल्स' में विवेक अग्निहोत्री ने 'तैमूर' नाम लेकर सैफ और करीना पर कसा तंज, बोले- 'किसी को भी ये नाम'

(जीएनएस)।

विवेक रंजन अग्निहोत्री इन दिनों फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर चर्चा में हैं। वो इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसे दर्शकों से मिला जुला रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भी हंगामा हुआ। विवेक पर ळटउ के लोगों ने ऋक्षक्ष दर्ज करवाई।

इसके अलावा ट्रेलर के कुछ सीन को लेकर बवाल हो रहा है। इसमें तैमूर नाम का जिक्र हुआ है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि इससे विवेक ने सैफ अली खान और करीना कपूर पर तंज कसा है। अब विवेक ने इस

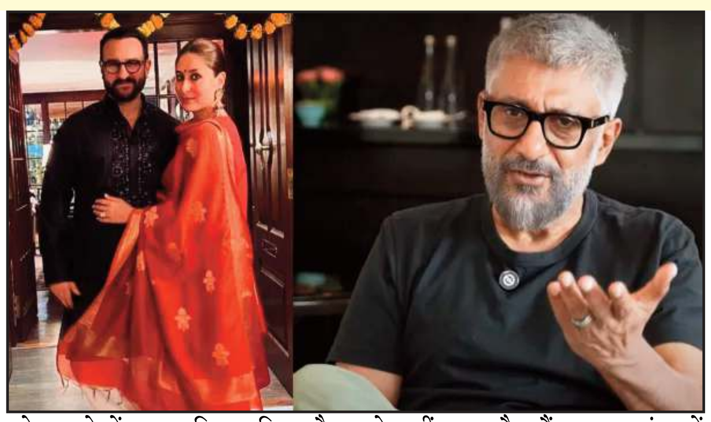

पूरे मामले में अपना रिएक्ट किया है। 'द रौनक शो' शो में होस्ट ने विवेक अग्निहोत्री से इस विवाद को लेकर सवाल पूछा गया। जिसके जवाब में विवेक ने कहा, तैमूर बहुत सारे लोगों का नाम रखा जाता रहा है। अपने बच्चे का तैमूर नाम अकेले सैफ ने नहीं रखा है। मैं ज समरकंद में अपनी फिल्म 'द ताशकंद फाइल्स' की शूटिंग कर रहा था। तब मैं वहां पर तैमूर के मकबरे में भी गया था। इसके बाहर लिखा था कि उसने पूरी दुनिया की सबसे अमीर सल्तनत को जीता था। ये सल्तनत दिल्ली की थी। एक रात में तैमूर ने लाखों लोगों की हत्या की थी। रेप और लूटपाट किया था। लेकिन वो अपने देश में हीरो है। हमारे लिए नहीं होगा। अपने बच्चे का नाम तैमूर तो किसी को नहीं रखना चाहिए था। इस पर कोई सवाल ही नहीं उठना चाहिए।

'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर को रिलीज होगी। फिल्म में पल्लवी जोशी, मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, शाश्वत चटर्जी और दर्शन कुमार हैं। फिल्म में खुद विवेक अग्निहोत्री भी नजर आएंगे। वहीं इसमें भी उन्होंने अनुपम खेर को भी लिया है। जो गांधी के किरदार में नजर आएंगे। विवेक ने अपनी पत्नी और अभिषेक अग्रवाल के साथ इसे प्रोड्यूस भी किया है।

जसविंदर भल्ला के परिवार में कौन-कौन, अपने पीछे छोड़ गए कितनी संपत्ति?

(जीएनएस)।

पंजाबी सिनेमा के मशहूर एक्टर और कॉमेडियन जसविंदर भल्ला का निधन हो गया है। लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे 65 वर्षीय भल्ला ने आखिरकार इस दुनिया को अलविदा कह दिया है।

पंजाबी एक्टर और कॉमेडियन जसविंदर भल्ला की मौत

अपने करियर में लाखों चेहरों पर मुस्कान लाने वाले महान कलाकार जसविंदर भल्ला ने न केवल पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री, बल्कि पूरे देशभर के दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। जानकारी के अनुसार जसविंदर भल्ला लंबे समय से वह बीमार चल रहे थे और उनका लगातार इलाज हो रहा था।

ब्रेन स्ट्रोक के चलते हुई जसविंदर भल्ला की मौत

-जसविंदर भल्ला के यूं चले जाने से पूरी पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री शोक में डूब गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जसविंदर भल्ला को अचानक ब्रेन स्ट्रोक आया था। हालत गंभीर होने पर उन्हें मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी देखभाल कर रही थी।

-वहीं आज यानी 22 अगस्त 2025 के तड़के जसविंदर भल्ला की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई थी। इसके बाद सुबह करीब 4 बजे उनका निधन हो गया। आपको बता दें कि जसविंदर भल्ला सिर्फ एक कॉमेडियन ही नहीं, बल्कि पढ़ाई-लिखाई में भी काफी आगे थे।

पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे जसविंदर भल्ला

-जसविंदर भल्ला ने पीएचडी (ढँऊ) की डिग्री हासिल की थी। फिल्मों में कदम रखने से पहले जसविंदर भल्ला पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे। इस दौरान उन्होंने किसानों तक नई तकनीकें और जानकारियां पहुंचाने में अहम योगदान दिया था।

-बाद में जसविंदर भल्ला ने एक्टिंग को अपना करियर बनाया और पंजाबी सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाई। जसविंदर भल्ला ने अपने अनोखे 'ूमर और शानदार कॉमिक टाइमिंग से लोगों को अपना दीवाना बना लिया था।

एक्टर के परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

जसविंदर भल्ला के परिवार में उनकी पत्नी परमजीत कौर भल्ला, बेटा पुखराज भल्ला और बेटी जैस्मीन भल्ला हैं। बेटे पुखराज ने इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में एक्टिंग का सफर शुरू किया है। भल्ला परिवार मोहाली में रहता है और बेहद सिंपल जीवन जीने के लिए जाना जाता है। जानकारी के अनुसार जसविंदर भल्ला कई सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे थे।

कितनी संपत्ति छोड़कर गए एक्टर?

जसविंदर भल्ला पंजाबी इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों में गिने जाते थे और उनकी लोकप्रियता का अंदाजा उनकी कमाई से भी लगाया जा सकता है। हालांकि उनकी कुल संपत्ति को लेकर आधिकारिक जानकारी मौजूद नहीं है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह करीब 20 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक थे। वह एक महीने में करीब 10 लाख रुपये तक कमा लेते थे। फिल्मों के अलावा स्टेज शो, कॉमेडी इवेंट्स और प्रोफेसर की नौकरी से भी उनकी अच्छी खासी कमाई होती रही है।

मोहाली में होगा अंतिम संस्कार

-जसविंदर भल्ला का अंतिम संस्कार मोहाली में किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जसविंदर भल्ला का अंतिम संस्कार कल यानी 23 अगस्त 2025 को दोपहर 12 बजे मोहाली के बलोंगी श्मशान घाट में किया जाएगा।

-एक्टर के अंतिम संस्कार की रस्मों के लिए यूरोप से भौरत लौट रही उनकी बेटी का इंतजार किया जा रहा है।

गोविंदा से कितनी अमीर सुनीता आहूजा? कभी लिखती थीं 'लव 86' लेटर, आज 'दूल्हे राजा' पर तलाक के लिए लगाए 'इल्जाम'

80 और 90 का बॉलीवुड अगर किसी हीरो की मस्ती, डांस और कॉमेडी के लिए जाना जाता है, तो वो हैं गोविंदा-हीरो नंबर 1, राजा बाबू और कुली नंबर 1 जैसी हिट फिल्मों के बादशाह। लेकिन आज वही गोविंदा असली जिंदगी में एक ऐसे फिल्मी ड्रामे के किरदार बन चुके हैं, जिसमें तलाक, आरोप और करोड़ों की संपत्ति का मसला शामिल है।

जी हां, उनकी पत्नी सुनीता, जो कभी गोविंदा को 'लव 86' स्टाइल में लव लेटर लिखा करती थीं, आज उन पर अफेयर, अत्याचार और अकेले छोड़ने का 'इल्जाम' लगा रही हैं। इस खबर ने गोविंदा के फैंस को हैरान कर दिया है और हर कोई जानना चाहता है-सुनीता आहूजा कितनी अमीर हैं और अगर तलाक हुआ तो कितनी एलिमनी मिलेगी? दोनों की प्रेम कहानी कैसे परवान चढ़ी...आइए, इस फिल्मी कहानी में थोड़ा ड्रामा, थोड़ा रोमांस और ढेर सारा मसाला डालकर जानते हैं!

सुनीता और गोविंदा की प्रेम कहानी किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं। 1967 में एक पंजाबी-सिंधी परिवार में जन्मी सुनीता (असली नामः सुनीता मुंजाल) की मुलाकात गोविंदा से उनके मामा आनंद सिंह के जरिए हुई थी। तब गोविंदा एक स्ट्रगलिंग एक्टर थे, और सुनीता एक बिंदास, मॉडर्न लड़की। दोनों के व्यक्तित्व जुदा थे-गोविंदा पारंपरिक और शांत, तो सुनीता बोल्ड और बेबाक। फिर भी, लव लेटर और फोन कॉल्स के जरिए उनका रोमांस परवान चढ़ा।

1986 में इल्जाम से डेब्यू करने वाले गोविंदा को स्टारडम मिला, और उसी दौरान 1987 में उन्होंने सुनीता मुंजाल से गुपचुप शादी कर ली। इसी साल, गोविंदा 'लव 86' जैसी फिल्मों से स्टार बन गए, तब जाकर उन्होंने अपनी शादी का खुलासा किया। इन 38 सालों में सुनीता गोविंदा की सबसे बड़ी चीयरलीडर रही हैं, लेकिन अब यह रिश्ता तलाक की कगार पर क्यों आ पहुंचा?

खबरों के मुताबिक, सुनीता ने हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के सेक्शन 13 (1) (i), (ia), और (ib) के तहत तलाक की अर्जी दायर की है। इसमें उन्होंने गोविंदा पर गंभीर आरोप लगाए हैं-अफेयर, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना, और उन्हें अकेला छोड़ देना। कोर्ट ने गोविंदा को 25 मई 2025 को समन भेजा था, लेकिन खबर है कि वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। दूसरी ओर, सुनीता नियमित रूप से कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो रही हैं। कुछ सूत्र बताते हैं कि दोनों जून से अपने रिश्ते को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन गोविंदा का 'मिसिंग' होना सवाल उठा रहा है। क्या यह बॉलीवुड का सबसे बड़ा तलाक ड्रामा बनने जा रहा है?

80-90 के दशक में गोविंदा ने 'इल्जाम', 'Love 86', 'दूल्हे राजा', और 'हीरो नंबर 1' जैसी फिल्मों से बॉलीवुड पर राज किया। उनकी कॉमेडी, डांस और देसी स्टाइल ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। लेकिन अब, जब उनकी पर्सनल लाइफ सुर्खियों में है, फैंस पूछ रहे हैं-क्या गोविंदा का 'हीरो' वाला जादू अब फीका पड़ गया?

मोनालिसा के नए लुक ने लोगों को बनाया दीवाना, इंटरनेट पर कहर बरपा रहा है महाकुंभ वायरल गर्ल का नया वीडियो

(जीएनएस)।

महाकुंभ 2025 में रुद्राक्ष की माला बेचकर चर्चा में आई 16 साल की लड़की मोनालिसा अब पूरी तरह से बदल चुकी हैं। उनका अंदाज, बात करने का तरीका और स्टाइल इतना बदल गया है कि लोग उन्हें देखकर हैरान हो जाते हैं।

मोनालिसा का ट्रांसफॉर्मेशन लोगों को आया पसंद

सोशल मीडिया पर मोनालिसा का ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। फिलहाल मोनालिसा न सिर्फ अपनी डेब्यू फिल्म की तैयारी कर रही हैं, बल्कि कई बड़े ब्रांड्स के लिए एड शूट्स का भी हिस्सा बन चुकी हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ 'लेडी बॉस' लुक

-हाल ही में महाकुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा का एक वीडियो इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। ये वीडियो मोनालिसा के ऑफिशियल अकाउंट पर शेयर किया गया है, जिसमें वह लेडी बॉस के अवतार में नजर आ रही हैं।

-वीडियो में देखा जा सकता है कि मोनालिसा ने वाइट ब्लेजर के साथ ब्लैक ट्राउजर पहना है, जिसे उन्होंने मिनिमल मेकअप और स्लीक हेयरस्टाइल के साथ कैरी किया है। उनका ये क्लासी लुक देखकर लोग उनके दीवाने हो रहे हैं।

-मोनालिसा के इस वीडियो पर लगातार कमेंट्स की बौछार हो रही है। कोई उन्हें खूबसूरत कह रहा है तो कोई उन्हें जल्द ही बड़ी स्टार बनने का आशीर्वाद दे रहा है। कई फैंस ने उनके लिए हार्ट और फायर इमोजी भी पोस्ट किए हैं। इससे ये साफ है कि मोनालिसा का ये नया अंदाज लोगों के दिलों पर छा गया है।

म्यूजिक वीडियो और फोटोशूट से भी बटोरी थीं सुर्खियां

कुछ समय पहले मोनालिसा का एक म्यूजिक वीडियो सादगी रिलीज हुआ था, जिसमें उनका प्यारा और मासूम अंदाज देखने को मिला था। इस गाने ने रिलीज होते ही मिलियन्स व्यूज हासिल कर लिएथे। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में ब्राइडल फोटोशूट भी करवाया था, जिसमें उनका लुक इतना रियल लगा था कि कई फैंस को लगा वो शादी करने जा रही हैं। हालांकि ये सिर्फ एक शूट था।

बॉलीवु में डेब्यू फिल्म की तैयारी

मोनालिसा इन दिनों अपनी पहली फिल्म की तैयारियों में जुटी हुई हैं। वह एक्टिंग की ट्रेनिंग ले रही हैं और खुद पर लगातार काम कर रही हैं। उनके लुक्स और एक्सप्रेशंस से साफ झलकता है कि वह जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाकेदार एंट्री करने वाली हैं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और भावनगर के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और भावनगर के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09209/09210 बांद्रा टर्मिनस – भावनगर स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09209 बांद्रा टर्मिनस – भावनगर स्पेशल शनिवार, 30 अगस्त, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 13:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:30 बजे भावनगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09210 भावनगर–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 को भावनगर से 20:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर गेट, बोटाद, धोला, सोनगढ़, सिहोर गुजरात और भावनगर परा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी–3 टियर, एसी–3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09209 एवं 09210 की बुकिंग 24 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

डबलिंग कार्य के चलते कानालुस–पोरबंदर और पोरबंदर–कानालुस लोकल ट्रेनें 15 सितम्बर तक आंशिक रद्द

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में स्थित लाखाबावल–पीपली–कानालुस सेक्शन में चल रहे डबलिंग कार्य के चलते 23 अगस्त से लेकर 15 सितम्बर, 2025 तक कानालुस–पोरबंदर और पोरबंदर–कानालुस लोकल ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः

आंशिक रूप से रद्द की गयी ट्रेनेंः

- ट्रेन नं 59206 पोरबंदर–कानालुस लोकल 23.08.2025 से लेकर 15.09.2025 तक गोपजाम–कानालुस के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। अर्थात यह ट्रेन पोरबंदर से चलकर गोपजाम तक जाएगी और गोपजाम–कानालुस के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।
- ट्रेन नं 59205 कानालुस–पोरबंदर लोकल 23.08.2025 से लेकर 15.09.2025 तक कानालुस–गोपजाम के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। अर्थात यह ट्रेन कानालुस की बजाय गोपजाम स्टेशन से चलेगी और गोपजाम से चलकर पोरबंदर तक जाएगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस का नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 20901/20902 मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण इस प्रकार हैः–

24 अगस्त, 2025 को मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन नवसारी स्टेशन पर 08:43 बजे पहुँचेगी और 08:45 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार, 23 अगस्त, 2025 को गांधीनगर केपिटल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20902 गांधीनगर केपिटल – मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 17:27 बजे नवसारी स्टेशन पहुंचेगी और 17:29 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 24 अगस्त, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे का वसई रोड यार्ड में रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई,

रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख–रखाव हेतु शनिवार/रविवार यानी 23/24 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि को वसई रोड यार्ड में गुड्स लाइनों पर 00:30 बजे से 04:30 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

अतः पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 24 अगस्त, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

भावनगर–ओखा एक्सप्रेस ट्रेन का स्टोपेज लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर 30 नवम्बर तक के लिए रद्द

राजकोट मंडल में स्थित लाखाबावल–पीपली–कानालुस सेक्शन में चल रहे दोहरीकरण कार्य के चलते भावनगर मंडल से होकर चलने वाली भावनगर–ओखा एक्सप्रेस के स्टोपेज को लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर 23.08.2025 से लेकर 30.11.2025 तक अस्थायी रूप से रद्द किया गया है। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार ट्रेन नंबर 19210 ओखा–भावनगर एक्सप्रेस और ट्रेन नं 19209 भावनगर–ओखा एक्सप्रेस दिनांक 23.08.2025 से लेकर 30.11.2025 तक लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का गुजरात दौरा; ₹1,400 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं की देंगे सौगात

- 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणाझपालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण,
- 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोलझकड़ीझकटोसन रोड रेल लाइन का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजीझरणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन राष्ट्र को करेंगे समर्पित
- प्रधानमंत्री जी कटोसन रोड और साबरमती यात्री ट्रेन का कड़ी से करेंगे शुभारंभ तथा बेचराजी से कार–लोडेड मालगाड़ी सेवा का भी शुभारंभ

नई दिल्ली/ गांधीनगर, 22 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 अगस्त, 2025 को गुजरात के दौरे पर रहेंगे, जहां वे 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, पाटण, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभान्वित करेंगी। यह रेलवे परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता और रोजगार सृजन में उल्लेखनीय योगदान देंगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे की जो परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की जाएंगी उनमें 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणाझपालनपुर रेल लाइन (65 किमी) का दोहरीकरण, 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोलझकड़ीझकटोसन रोड रेल लाइन (37 किमी) का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजीझरणुंज रेल लाइन (40 किमी) का गेज कन्वर्जन शामिल है। ये रेलवे परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, बनासकांठा और पाटण जिले को ब्रॉडगेज लाइन के माध्यम से सहज, सुरक्षित और निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी।

इससे दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए आवागमन अधिक सरल और तेज होगा। साथ ही, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। अतिरिक्त लाइन क्षमता के कारण अहमदाबादझदिल्ली मार्ग पर तेज गति से ट्रेनों का संचालन संभव होगा। इससे अधिक यात्री ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा और मालगाड़ियों की गति एवं दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इस प्रकार यह परियोजनाएं गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी।

बेचराजीझरणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान फॉर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के अनुरूप किया गया है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और गुजरात राज्य की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग में और बेहतर सुधार लाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल उत्तर गुजरात की सामाजिक–आर्थिक प्रगति को और गति प्रदान करेगी। साथ ही, भारत के लॉजिस्टिक्स और रेलवे क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करेगी।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कटोसन रोड और साबरमती के बीच यात्री ट्रेन सेवा कड़ी से एवं बेचराजी से कार–लोडेड मालगाड़ी सेवा का भी शुभारंभ करेंगे। कटोसन–साबरमती रोड नई ट्रेन सेवा न केवल पर्यटन और धार्मिक स्थलों तक पहुंच को आसान बनाएगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। इसी तरह, बेचराजी से शुरू होने वाली कार–लोडेड मालगाड़ी राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इन दोनों रेल सेवाओं से क्षेत्र को पर्यावरण अनुकूल, टिकाऊ और उच्चगति वाला परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। इससे न केवल यात्रा समय में कमी आएगी बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और रोजगार सृजन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ये सभी रेलवे परियोजनाएं विकसित गुजरात से विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

ओला, उबर, रैपिडो को लगा तगड़ा झटका! कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा – राज्य में बाइक टैक्सी एग्रीगेटर्स को परमिशन नहीं

(जीएनएस)।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार , 22 अगस्त को बाइक टैक्सी सेवाओं को लेकर बड़ा बयान दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्य में किसी भी निजी एग्रीगेटर कंपनी (जैसे Ola, Uber, Rapido आदि) को बाइक टैक्सी चलाने की अनुमति नहीं दी गई है।

कोर्ट ने कहा कि सरकार एग्रीगेटर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन इस प्रक्रिया में व्यक्तिगत बाइक टैक्सी ड्राइवरों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश वीभू बखरू और जस्टिस सीएम जोशी की पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब सरकार की ओर से बताया गया कि कुछ एग्रीगेटर ऐप्स ने बैन के बावजूद संचालन शुरू कर दिया है।

अदालत ने कहा कि उसने एग्रीगेटर्स को कोई सुरक्षा या छूट नहीं दी है और सरकार चाहे तो उनके खिलाफ कदम उठा सकती है।

बाइक टैक्सी लक्जरी नहीं, बल्कि सस्ती और जरूरी सुविधा

मुख्य न्यायाधीश विभू बखरू और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ ने कहा कि बाइक टैक्सी कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह आम लोगों के लिए एक सस्ती और जरूरी 'लास्ट–माइल ट्रांसपोर्टेशन' सुविधा है। अदालत का यह अवलोकन उस समय आया जब राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल शशि किरण शेट्टी ने जानकारी

दी कि हाल ही में बेंगलुरु में कुछ बाइक टैक्सी एग्रीगेटर ऐप्स ने सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं।

एडवोकेट जनरल ने कोर्ट को बताया कि पिछली सुनवाई में अदालत ने मौखिक रूप से कहा था कि सरकार को इस मामले पर गंभीर विचार करना चाहिए क्योंकि हजारों लोगों की आजीविका इस पर निर्भर है। गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने 16 जून को राज्य में ड', वुी१, फंग्र्ङ्गि जैसी बाइक टैक्सियों पर बैन लगाया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसने एग्रीगेटर्स को किसी तरह की सुरक्षा प्रदान नहीं की है और सरकार चाहे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है।

कोर्ट ने कहा, "हमने कोई आदेश नहीं दिया है। अगर उन्होंने अपना बिजनेस शुरू किया है तो आप कार्रवाई कर सकते हैं। हमने सिर्फ इतना कहा था कि व्यक्तिगत टैक्सी मालिकों के खिलाफ जल्दबाजी में कोई कदम न उठाया जाए। एग्रीगेटर्स को लेकर हमने कोई टिप्पणी नहीं की है।"

नीति की कमी और पूरी तरह बैन पर सवाल

20 जुलाई को कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट को बताया था कि राज्य के पास बाइक टैक्सी के लिए कोई ठोस नीति नहीं है, लेकिन जल्द ही इस पर एक समग्र और ठोस निर्णय लिया जाएगा। इस पर अदालत ने सवाल उठाया था कि सरकार ने बाइक टैक्सी को पूरी तरह बैन क्यों किया, जबकि इसे नियंत्रित भी किया जा सकता था।

कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार ने यहां तक कि बैटरी से चलने वाली बाइक टैक्सियों पर भी रोक लगा दी, जबकि 2014 तक इसके लिए राज्य में नीति मौजूद थी। इस तरह सरकार ने एक "वैध व्यापार" पर पाबंदी लगा दी है।

एग्रीगेटर्स और यूनियनों की अपील

हाईकोर्ट की यह सुनवाई ओला, उबर और रैपिडो जैसे निजी बाइक टैक्सी एग्रीगेटर्स और स्थानीय यूनियनों की अपील पर हो रही थी। इससे पहले अप्रैल 2025 में एकल न्यायाधीश ने इनके संचालन पर रोक लगा दी थी।

सरकार ने अदालत में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि बाइक टैक्सियां यात्रियों के लिए असुरक्षित हैं और ये शहर के ट्रैफिक जाम को भी बढ़ाती हैं। वहीं, एग्रीगेटर्स और यूनियन का तर्क है कि यह सेवा लाखों लोगों के लिए सस्ता विकल्प है और हजारों युवाओं के लिए रोजगार का साधन भी।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में बवाल! क्या फिर थी हमले की योजना? दो हिरासत में!

(जीएनएस)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के गांधी नगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हंगामा मच गया। इस दौरान भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली के खिलाफ नारेबाजी करने के आरोप में पुलिस ने 60 वर्षीय प्रवीण शर्मा को हिरासत में लिया।

बताया जा रहा है कि एक अन्य व्यक्ति को भी पुलिस ने पकड़ा है, जिस पर रेखा गुप्ता के एक कार्यक्रम स्थल के पास हंगामा करने का संदेह था। यह घटना तब हुई जब सीएम गुप्ता, दो दिन पहले उन पर हुए हमले के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुई थीं।

पुलिस के मुताबिक, प्रवीण शर्मा अजीत नगर में केबल टीवी का व्यवसाय करता है और खुद को पिछले 40 साल से भाजपा कार्यकर्ता बताता हैं। शाहदरा डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया, 'प्रवीण शर्मा ने गांधी नगर के विधायक अरविंदर सिंह लवली के खिलाफ उस समय नारे लगाए, जब वह कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे।' शर्मा को बैरिकेड्स के पीछे एक गली से हिरासत में लिया गया और कार्यक्रम स्थल से हटा दिया गया। डीसीपी ने

स्पष्ट किया कि किसी भी समय वीआईपी की सुरक्षा को खतरा नहीं हुआ।

सीएम गुप्ता का बयानः 'न डरेंगी, न थकेंगी, न हारेंगी'

गांधी नगर मार्केट में थोक रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'आपकी सीएम दीदी न डरेगी, न थकेगी, न हारेगी। जब तक दिल्ली को उसका हक नहीं मिलता, मैं आपके लिए लड़ती रहूंगी।' उन्होंने इस मौके पर स्थानीय विधायक अरविंदर सिंह लवली को यमुना पार विकास बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। गुप्ता ने कहा, 'लवली बिना किसी स्वार्थ के भाजपा में शामिल हुए हैं और दिल्ली के विकास के लिए काम करेंगे।'

विकास कार्यों की घोषणा

सीएम ने लवली और केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को यमुना पार क्षेत्र के विकास के लिए बजट प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'मैं आज ही बजट स्वीकृत कर रही हूं, बस आप अनुमान तैयार करें।' इसके अलावा, दिल्ली सरकार यमुना पार से डीटीसी बसों के लिए रूट मैपिंग शुरू करेगी ताकि हर क्षेत्र में पर्याप्त बसें उपलब्ध हों।

पिछले हमले का जिक्र

20 अगस्त को सीएम गुप्ता पर उनके कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई' के दौरान राजकोट के 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी ने हमला किया था। आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद गुप्ता सिविल लाइंस स्थित अपने सरकारी आवास पर ही थीं।

आज का कार्यक्रम

सीएम गुप्ता आज शाम 4 बजे चाणक्यपुरी के अशोक होटल में राज्य उद्योग विभाग के 'आइडियाथॉन' कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल होंगी। पीटीआई के अनुसार, वह आज दिल्ली सचिवालय में अपने कार्यालय भी लौट सकती हैं।

नए कमिश्नर की नियुक्ति के बाद कार्रवाई

21 अगस्त को दिल्ली को नए पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा मिले हैं। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांधी नगर की घटना में शामिल व्यक्ति को हिरासत में लिया।

उच्चतम न्यायालय ने सिंगल मदर की याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट को दी सीख, 'माता–पिता की तरह बर्ताव करिए!'

सुप्रीम कोर्ट ने एक सिंगल मदर से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के कामकाज के तरीके पर अहम टिप्पणी की है। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने एक महिला जज की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि झारखंड हाई कोर्ट को महिला याचिकाकर्ता की याचिका पर शालीनता से सुनवाई करना चाहिए। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में यह भी कहा

कि हाई कोर्ट के फैसलों में अहंकार नहीं दिखना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी एक महिला जज की याचिका पर सुनवाई के दौरान की है, जिसमें उन्होंने ट्रांसफर के लिए गुहार लगाई थी। महिला जज का ट्रांसफर दुमका कर दिया गया है। पहले वह हजारीबाग में पोस्टेड थीं। महिला ने सिंगल मदर होने और बेटे की शिक्षा का हवाला देते हुए किसी ऐसे शहर में ट्रांसफर की मांग की थी, जहां बेहतर स्कूल हों।

महिला जज की याचिका पर की अहम टिप्पणी

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार सीजेआई समेत दो जजों की बेंच ने कहा कि यह जज की तरफ से सुविधा के लिए दी गई ट्रांसफर की याचिका नहीं है। यह एक बच्चे की शिक्षा से भी जुड़ा मामला है। कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट से यह भी कहा कि अहंकारी रवैया अपनाने के बजाए महिला जज की तबादले की याचिका को संवेदना की नजरों से देखा जाना चाहिए। अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (ADJ) की याचिका पर बेंच ने यह टिप्पणी की है। कोर्ट कहा, 'हाई कोर्ट को अपने न्यायिक अधिकारियों की समस्याओं के प्रति सजग रहना होगा।'

आम लोगों को शॉक्ड कर सकती हैं फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में हो रहे बदलाव

पार्टनर के फिंगरप्रिंट से खुलेगा ये 'स्मार्ट ब्रा', फैशन और टेक्नोलॉजी का ऐसा अनोखा बंधन

फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में इन दिनों कई ऐसी चीजें सामेन आ रही हैं जो आम लोगों को शॉक्ड कर सकती हैं। इस डिजिटल युग में कई बड़े बदलाव हो रहे हैं जो कि देखने लायक है और जिनकी तारीफ किए बिना आप नहीं रह सकते।

जापान में बनाया गया स्मार्ट ब्रा

इसी कड़ी में जापान के एक छात्र ने ऐसा इनोवेशन किया है, जिसने फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में हलचल मचा दी है। उन्होंने एक स्मार्ट ब्रा तैयार किया है, जो केवल महिला और उनके पार्टनर के फिंगरप्रिंट से ही अनलॉक होगी। फिंगरप्रिंट से अनलॉक होने वाली स्मार्ट ब्रा, –ये स्मार्ट ब्रा न सिर्फ महिलाओं की प्राइवेसी और सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि रिश्तों में भरोसे का प्रतीक भी मानी जा रही है।

इस खास ब्रा में फिंगरप्रिंट सेंसर लगाया गया है।

इसकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये केवल महिला और उनके पार्टनर की पहचान स्वीकार करता है, यानी कोई दूसरा व्यक्ति इसे नहीं खोल सकता। –फैशन और टेक्नोलॉजी का ये कॉम्बिनेशन महिलाओं के लिए कम्फर्ट, सेफ्टी और ट्रस्ट का बेहतरीन उदाहरण बन गया है। फैशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये आइडिया भविष्य में पर्सनलाइज्ड फैशन की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

सोशल मीडिया पर ब्रा को लेकर मचा हंगामा, जैसे ही इस इनोवेशन की जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हुई, लोगों का उत्साह भी उतनी तेजी से बढ़ गया है। कई यूजर्स जहां इसे देखकर शॉक्ड हो रहे हैं, वहीं कई लोगों ने इसे रिलेशनशिप ट्रस्ट और प्राइवेसी का नया प्रतीक बताया है।

आप क्या कर रहे हैं?–बिहार चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को लेकर पार्टियों को लगाई फटकार, पढ़ें क्यों?

(जीएनएस)।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (22 अगस्त) को बिहार की राजनीतिक पार्टियों को कड़ी फटकार लगाई, क्योंकि उन्होंने ड्राफ्ट चुनावी सूची में शामिल नहीं किए गए लोगों को दावा और आपत्ति दाखिल करने में मदद नहीं की। जस्टिस सूर्यकांत ने राजनीतिक पार्टियों को फटकारते हुए कहा कि आखिर आप लोग कर क्या रहे हैं, बिहार की 12 राजनीतिक पार्टियों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी उस समय आई जब चुनाव आयोग ने बताया कि वह चुनावों के लिए तैयार बिहार में विशेष गहन चुनावी सूची (वोटर लिस्ट) संशोधन कर रहा है। आयोग ने कहा कि मुख्य राजनीतिक पार्टियों में से किसी ने भी कोई आपत्ति या शिकायत दर्ज नहीं कराई, जबकि जनता ने इस मामले पर आलोचना की थी।

हमें सिर्फ राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी हैः एससी

सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा–"हमें सिर्फ राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी है। बीएलए (बूथ स्तर एजेंट) नियुक्त करने के बाद वे आखिर कर क्या रहे हैं? जनता और स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधियों के बीच इतनी दूरी क्यों है? राजनीतिक दलों को मतदाताओं की मदद करनी ही होगी।"

'राजनीतिक दलों को मतदाताओं की मदद करनी ही होगी'

सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई जब चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार में राजनीतिक दलों के 1.68 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट (इछअ) मौजूद हैं, लेकिन अब तक केवल दो आपत्तियाँ ही दर्ज कराई गई हैं।

यह स्थिति तब है जबकि विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) की इस प्रक्रिया से लाखों मतदाता सूची से बाहर हो जाएंगे। 1 अगस्त को निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

कई विपक्षी दलों ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जिन लोगों का नाम ड्राफ्ट लिस्ट से हटाया गया है, उनमें कई जीवित लोग भी शामिल हैं जिन्हें "मृतक" घोषित कर दिया गया है।

पश्चिम रेलवे – भावनगर मण्डल

सं. DRM/EL/BVP/2025-26/13 दिनांक : 20-08-2025

स्टाफ कवार्टर्स और सेवा भवनो का रिवायरींग

ई–निविदा सं. BVP-EL-P-15-2025-26

कार्य का नाम: भावनगर मण्डल : आयु सह स्थिति के आधार पर अर्थिंग सहित स्टाफ कवार्टर्स और सेवा भवनो का रिवायरींग करने का कार्य।

निविदा मूल्य (रू.): ₹ 3,96,95,250/– | **ईएमडी (रू.):** ₹ 3,48,500/–

बिडींग शुरू होने की तारीख: 28/08/2025

बिडींग बंद होने की तारीख: 11/09/2025

वेबसाईट विवरण: https://www.ireps.gov.in

BVP-108

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उत्तर गुजरात में 307 करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण-शिलान्यास

- 33 करोड़ रुपए की लागत से विरमगाम से खुडद होकर रामपुरा तक के 21 किलोमीटर के सड़क मार्ग का विस्तार हुआ, प्रधानमंत्री करेंगे लोकार्पण
- 126 करोड़ रुपए की लागत से अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर रोड पर छह-मार्गीय व्हीकल अंडरपास का शिलान्यास होगा
- सड़क नवीनीकरण, अंडरपास तथा ओवरब्रिज उत्तर गुजरात में कनेक्टिविटी को और मजबूत बनाएंगे

गांधीनगर, 22 अगस्त :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 व 26 अगस्त को गुजरात की यात्रा पर आ रहे हैं। इस दौरान वे अहमदाबाद, गांधीनगर तथा मेहसाणा को विभिन्न विभागों के अंतर्गत करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की भेंट देंगे। इनमें सड़क एवं भवन विभाग की कुल 307 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास शामिल है, जिससे उत्तर गुजरात में कनेक्टिविटी और मजबूत बनेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप सड़क एवं भवन विभाग गुजरात राज्य को निरंतर गतिशील रखने को प्रतिबद्ध है।

गुजरात के नागरिकों को दैनिक परिवहन के लिए मिलेगा अधिक सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उत्तर गुजरात में सड़क एवं भवन विभाग की कुल 6 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे। कुल 307 करोड़ रुपए की लागत वाले लोकार्पण व शिलान्यास के ये कार्य गुजरात की प्रजा को दैनिक यातायात के लिए अधिक सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करेंगे। इन परियोजनाओं के अंतर्गत उत्तर गुजरात को अपग्रेडेड सड़कें, अंडरपास, ओवरब्रिज मिलेंगे; जो नागरिकों के लिए यात्रा सुरक्षा तथा सुगमता में वृद्धि करेंगे।

विरमगाम-खुडद-रामपुरा सड़क चौड़ी होने से औद्योगिक क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विरमगाम-खुडद-रामपुरा सड़क को 7 मीटर चौड़ी बनाने के कार्य का लोकार्पण करेंगे। 33 करोड़ रुपए की लागत से विरमगाम से खुडद होकर रामपुरा तक के 21 किलोमीटर की इस सड़क को 7 मीटर चौड़ा किया गया है। यह महत्वपूर्ण कॉरिडोर अहमदाबाद जिले की विरमगाम व देत्रोज तहसीलों के औद्योगिक क्षेत्र के विकास को गति देगा। इस विकास कार्य के साथ परिवहन सुगम बनेगा तथा आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

प्रधानमंत्री 274करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे

प्रधानमंत्री उत्तर गुजरात के अहमदाबाद, मेहसाणा एवं गांधीनगर जिलों में कुल 274 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर रोड पर तीन छह-मार्गीय व्हीकल अंडरपास (126 करोड़ रुपए), अहमदाबाद-विरमगाम रोड पर स्थित फाटक नं. 40 पर रेलवे ओवरब्रिज (70 करोड़ रुपए), कडी-थोळ होकर साणंद तक के 24 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग के नवीनीकरण के कार्य (45 करोड़ रुपए) तथा गिफ्ट सिटी में बापा सीताराम जंक्शन का चार-लेन से आठ-लेन रोड में विस्तार (33 करोड़ रुपए) शामिल हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड होगा, समय व ईंधन की बचत होगी

मेहसाणा, गांधीनगर तथा अहमदाबाद जिलों से गुजरने वाले विभिन्न सड़क मार्गों पर व्हीकल अंडरपास, रेलवे ओवरब्रिज तथा नवीनीकरण कार्यों से दैनिक आवाजाही करने वाले वाहन चालकों की सुरक्षा एवं सुगमता में वृद्धि होगी। इस सुविधा से यात्रा समय तथा ईंधन की बचत होगी। गांधीनगर में आकार ले रहे फिन-टेक हब गिफ्ट सिटी तक सरल एवं तेज कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। थोळ अभयारण्य जैसे पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को सुगमता होगी। अपग्रेड हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर के कारण राज्य में औद्योगिक एवं परिवहन क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा।

जिस राष्ट्रपति ने बचाई श्रीलंका की अर्थव्यवस्था उसे क्यों किया कोलंबों पुलिस ने गिरफ्तार ?

(जीएनएस)।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को शुक्रवार को सरकारी पैसे के कथित दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों के हवाले से समाचार एजेंसी एएफपी ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्हें सितंबर 2023 में लंदन यात्रा के संबंध में पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया था, जहाँ उन्होंने अपनी पत्नी के लिए एक विश्वविद्यालय समारोह में भाग लिया था।

बयान के बाद गिरफ्तारी

एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, विक्रमसिंघे उस समय राज्य के प्रमुख थे जब उन्होंने अपनी पत्नी के सम्मान में आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए लंदन की यात्रा की थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वह शुक्रवार सुबह वित्तीय अपराध जांच प्रभाग (ऋछकऊ) में अपना बयान दर्ज कराने पहुंचे थे, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

सरकारी संसाधनों के कथित दुरुपयोग का आरोप

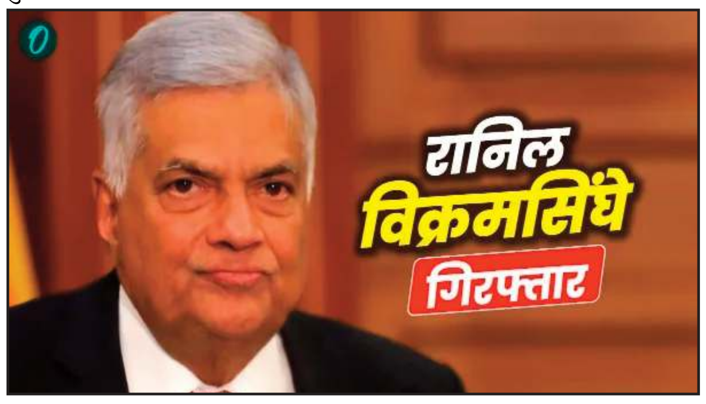

पुलिस अधिकारी ने एएफपी को बताया, "हम उन्हें कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि उन पर निजी मामलों के लिए सरकारी संसाधनों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। विक्रमसिंघे के खिलाफ मामला एक निजी यात्रा के दौरान सरकारी पैसे के कथित दुरुपयोग से जुड़ा है।

लंदन जाने पर हुआ शक

यह मामला सितंबर 2023 की लंदन यात्रा से संबंधित है। विक्रमसिंघे हवाना से लौटते समय लंदन में रुके थे, जहां उन्होंने ऋ7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। इसी दौरान उन्होंने अपनी पत्नी मैत्री के साथ वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय के एक समारोह में हिस्सा लिया था।

विक्रमसिंघे का दावा था कि उनकी पत्नी ने अपनी यात्रा का खर्च स्वयं वहन किया था और इसमें कोई सरकारी धन शामिल नहीं था। हालांकि, आपराधिक जांच विभाग का आरोप है कि उन्होंने अपनी निजी यात्रा के लिए सरकारी धन का उपयोग किया और उनके अंगरक्षकों का खर्च भी राज्य द्वारा वहन किया गया था।

गोटाबाया के बाद संभाली थी कमान

उन्हें शुक्रवार सुबह इस मामले में बयान देने के लिए बुलाया गया था, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई। जुलाई 2022 में, गोटाबाया राजपक्षे के इस्तीफे के बाद विक्रमसिंघे राष्ट्रपति बने थे। राजपक्षे को भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के आरोपों के बाद महीनों चले विरोध प्रदर्शनों के बाद पद छोड़ना पड़ा था।

बचाई थी श्रीलंका की अर्थव्यवस्था

विक्रमसिंघे को 2022 में देश के अब तक के सबसे बुरे वित्तीय संकट के बाद अर्थव्यवस्था को स्थिर करने का श्रेय दिया जाता है। हालांकि, पिछले साल सितंबर में हुए चुनाव में वे वामपंथी एके दिसानायके से दूसरे दौर के कड़े मुकाबले में हार गए थे।

ट्रंप की वजह से अमेरिकी किसानों को लगा फटका, ब्राजील और चीन ने उठाया बड़ा कदम

(जीएनएस)।

रूस और चीन के भारतीय उत्पादों के लिए व्यापार के दरवाजे खोलने के बाद, अब एक और ब्रिक्स देश ब्राजील भी चीन के मुख्य सोयाबीन आपूर्तिकर्ता के रूप में अमेरिका की जगह ले रहा है। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब ब्राजील को भी भारत के समान 50% तक के टैरिफ का सामना करना पड़ा है।

चीन और ब्राजील में हुई बात

यह बात तब सामने आया जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने ब्राजीलियाई समकक्ष लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के साथ एक घंटे की बातचीत के बाद कहा कि चीन "ब्राजील के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा का समर्थन करता है।"

डोनाल्ड ट्रम्प के व्यापार युद्ध के बीच, ब्रिक्स देश अमेरिका से आयात कम करके और अपने बाजारों में विविधता लाकर वाशिंगटन डीसी को नुकसान पहुंचा रहे हैं, ताकि आसन्न टैरिफ तूफान का सामना किया जा सके।

चीन ने भी बनाई अमेरिका से दूरी

दुनिया का सबसे बड़ा सोयाबीन आयातक चीन हाल के महीनों में अमेरिका से दूरी बना रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उसने सितंबर और अक्टूबर के लिए फॉरवर्ड बिक्री में

एक भी टन तिलहन नहीं खरीदा है।

पिछले कुछ महीनों में सोयाबीन खरीद का वाशिंगटन से ब्रासीलिया की ओर स्थानांतरण - यहां तक कि उच्च दरों पर भी - और चीन के फॉरवर्ड बिक्री में एक भी टन न खरीदने के निर्णय ने अमेरिकी किसानों को अधर में छोड़ दिया है, जबकि तिलहन की कटाई का मौसम एक महीने में शुरू होने वाला है।

पिछले साल कम हुआ कारोबार

इस सप्ताह की शुरूआत में चीनी सीमा शुल्क एजेंसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, चीन ने जुलाई में अमेरिका से 420,873 टन सोयाबीन का आयात किया, जो एक साल पहले की तुलना में 11.47% कम है। वर्तमान में, चीन अमेरिकी उत्पादों पर 20% टैरिफ लगाता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सोयाबीन किसानों ने ट्रम्प को चेतावनी देते हुए लिखा है कि वे "अपने सबसे बड़े ग्राहक के साथ लंबे समय तक व्यापार विवाद में जीवित नहीं रह सकते।"

ट्रंप के चक्कर में अमेरिकी किसानों का नुकसान

पिछले महीने अकेले, चीन का सोयाबीन आयात साल-दर-साल लगभग 19% बढ़ गया, जिसमें ब्राजील ने लगभग 90% और अमेरिका ने केवल 4% आपूर्ति की। रॉयटर्स के मुताबिक ब्राजीलियाई सोयाबीन की ओर चीन के इस बदलाव से अमेरिकी किसानों को अरबों का नुकसान होने की उम्मीद है, क्योंकि बीजिंग ने 2023-24 में अमेरिका के सोयाबीन निर्यात का आधे से अधिक खरीदा था।

डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद अमेरिका-ब्राजील के रिश्ते अंतिम मोड़ पर हैं। जिसमें ट्रंप ने पहले अपने सहयोगी, ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो पर चल रहे अभियोजन का हवाला देते हुए लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर टैरिफ लगाने को उचित ठहराया था। यहीं से दोनों के रास्ते अलग होते चले गए।

बोगाटा, कोलंबिया: तस्करों ने मार गिराया पुलिस का ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर, मारे गए एक दर्जन पुलिसकर्मी

(जीएनएस)।

इंटरनेशनल मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक 22 अगस्त 2025 को कोलंबिया में ड्रग तस्करों के एक गिरोह ने ड्रोन हमले में पुलिस के एक ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को मार गिराया, जिसमें 12 पुलिसकर्मी मारे गए। अधिकारियों ने इसे सुरक्षा बलों के खिलाफ बढ़ते ड्रोन हमलों में सबसे नया मामला बताया है।

सुरक्षाबलों पर बार-बार हो रहे हमले

बोगाटा, कोलंबिया से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना कोलंबियाई सुरक्षा बलों पर लगातार हो रहे ड्रोन हमलों का हिस्सा है। एंटीओक्विया के प्रांतीय गवर्नर एंड्रेस जूलियन रेंडन ने इस घटना से संबंधित एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें दुर्घटनास्थल से धुआं उठता दिख रहा है।

कोकीन तस्करों ने बनाया निशाया

यह अमेरिकी निर्मित ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर गुरुवार सुबह उत्तर-पश्चिमी कोलंबिया के अमाल्फी शहर के पास एक ग्रामीण इलाके में अपनी सामान्य उड़ान पर था, तभी कोकीन तस्करी करने वाले एक मिलिशिया ने इसे ड्रोन से निशाना बनाया। अधिकारियों ने बताया कि इस हमले

में हेलीकॉप्टर नीचे गिर गया।

रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, "गहरे दुख के साथ, मैं हमारे पुलिस अधिकारियों की हत्या पर शोक व्यक्त करता हूँ और उनके परिवारों के प्रति पूरी एकजुटता और समर्थन व्यक्त करता हूं।" उन्होंने इन अधिकारियों को "कोलंबिया के लिए अपना जीवन देने वाले नायक" बताया।

301 बार हुए हमले

पिछले साल अप्रैल में कोलंबिया में पहले ड्रोन हमले के बाद से, यहां की सेना के मुताबिक, मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) से 301 हमले हुए हैं। इनमें से दो-तिहाई से अधिक हमले काउका और नॉर्ट डी सैंटेंडर प्रांतों में हुए हैं।

दोनों क्षेत्रों में कोका, जिससे कोकीन बनती है, की खेती बहुतायत में होती है, और यहां भारी हथियारों से लैस मिलिशिया ड्रग मार्गों पर नियंत्रण के लिए आपस में लड़ते रहते हैं। इन हमलों में कम से कम 22 सैनिक और पुलिस अधिकारी मारे जा चुके हैं।

ड्रोन का इस्तेमाल बना बड़ी समस्या

अमेरिकी सेना के युद्ध कॉलेज में लैटिन अमेरिका के विद्वान इवान एलिस, जिन्होंने सशस्त्र समूहों द्वारा ड्रोन के इस्तेमाल पर लिखा है, ने कहा, "यह एक बड़ी और बड़ी समस्या बनती जा रही है।"

'इसे कंट्रोल नहीं किया जा सकता'

एलिस ने बताया कि ड्रोन तकनीक सस्ती है और व्यावसायिक उपयोग से सैन्य उपयोग में आसानी से बदली जा सकती है, जैसा कि नेशनल लिबरेशन आर्मी और ईएमसी जैसे समूहों ने दिखाया है। उन्होंने कहा, "ये ऐसी तकनीकें हैं जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते।"

'इन तक पहुंच मुश्किल है'

एलिस ने आगे कहा, "आप उन्हें सीमित करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन जैसे-जैसे ज्ञान का विस्तार होता है, यह कहना वास्तव में मुश्किल है कि 'ये निश्चित तकनीकें, आप तक इनकी पहुंच नहीं हो सकती'।"

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले दल-बदल का मौसम भी शुरू, पीएम मोदी की गयाजी रैली में नजर आए 2 आरजेडी विधायक

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अब कुछ ही सप्ताह का वक्त बचा है और राजनीतिक दलों के प्रचार अभियान के साथ ही टिकट पाने के लिए कोशिशें भी शुरू हो गई हैं। कुछ नेताओं के टिकट कटना तय है और चुनाव लड़ने के लिए अब वो दूसरे दलों के साथ हाथ मिलाने की कोशिश में जुट गए हैं। इसका नजारा पीएम नरेंद्र मोदी की गयाजी रैली में भी नजर आया, जहां आरजेडी के दो विधायक मंच पर पीएम के साथ दिखे। नवादा से राजद विधायक विभा देवी और रजौली से विधायक प्रकाश वीर को गयाजी में एनडीए के कार्यक्रम में देखा गया है।

विभा देवी और प्रकाश वीर पिछले एक महीने से पार्टी की गतिविधियों से दूर हैं। बताया जा रहा है कि वोट अधिकार यात्रा में कुछ स्थानीय लोगों ने तेजस्वी यादव से विधायक विभा देवी की शिकायत भी की है। इस बात

की पूरी आशंका है कि इस बार इन दोनों का टिकट कट सकता है। इसलिए दोनों ने अपने लिए विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं।

कई विधायकों के टिकट कटने का अनुमान

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार विपक्षी इंडिया गठबंधन के खेमे के विधायकों के टिकट ही नहीं कटेंगे, एनडीए में भी कई सीट पर उलटफेर दिख सकते हैं। ठाकुरगंज से पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल ने फिर से जेडीयू का दामन थाम लिया है। जेडीयू और बीजेपी के कई विधायकों के टिकट कट सकते हैं। कुछ नए चेहरों को टिकट मिलेगा और कुछ दूसरी पार्टियों से आने वाले नेताओं को भी मौका मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी 20 से 30 फीसदी अपने विधायकों का टिकट काट सकती है।

विभा देवी और प्रकाश वीर का जाना आरजेडी के लिए झटका?

विभा देवी और प्रकाश वीर के पीएम मोदी की रैली में शामिल होने पर आरजेडी ने कहा है, 'दोनों विधायक पार्टी की गतिविधियों से दूर हैं और अब अपने विवेक के मुताबिक फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है।' विभा रानी की बात करें, तो उनके पति राजबल्लभ यादव राजद के बड़े नेता माने जाते थे। रेप के एक मामले में दोषी करार दिए जाने की वजह से उनकी पत्नी विभा देवी ने राजनीति में कदम रखा। हालांकि, प्रकाश वीर अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत से ही आरजेडी से जुड़े रहे हैं। अब उनके पार्टी छोड़ने का असर नवादा क्षेत्र में दिख सकता है।

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, आधार कार्ड मानना होगा, हटाए गए वोटर कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया पर उठे विवाद ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार, 22 अगस्त को बड़ा आदेश जारी करते हुए चुनाव आयोग (ECI) को ईं१ रक्क्रपर निर्देश दिया कि पूरी प्रक्रिया मतदाताओं के लिए पारदर्शी और आसान बनाई जाए।

अदालत ने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स से हटाए गए हैं, वे आधार कार्ड या 11 अन्य वैध दस्तावेजों के जरिए अपना दावा पेश कर सकते हैं। यह सुविधा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से उपलब्ध होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने बूथ लेवल एजेंट्स (BLAs) को मतदाताओं की मदद करने और फॉर्म भरने में सहयोग देने के आदेश दिए। अदालत ने राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों की जांच में उनकी सक्रिय भूमिका होनी चाहिए।

कोर्ट का यह कदम बिहार चुनाव से पहले पारदर्शिता और मतदाताओं के भरोसे को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

11 दस्तावेजों में आधार कार्ड भी मान्य

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स से हटा दिए गए हैं, वे आधार कार्ड या अन्य 11 मान्य दस्तावेजों के आधार पर अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। अब यह सुविधा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध होगी।

चुनाव आयोग ने 18 अगस्त को ड्राफ्ट लिस्ट जारी करते हुए बताया था कि करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। इनमें से ज्यादातर मतदाता 'ASD' (Absentee, Shifted, Dead) श्रेणी में डाले गए थे।

BLA की जिम्मेदारी तय

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि बूथ लेवल एजेंट्स (BLAs) की जिम्मेदारी होगी कि वे मतदाताओं को सही जानकारी दें और जरूरी फॉर्म भरवाने में मदद करें। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को इस प्रक्रिया में शामिल किया जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

अदालत ने आश्चर्य जताया कि राजनीतिक दलों ने मतदाता सूची से हटाए गए नामों की जांच और सुधार के लिए कोई सक्रिय पहल नहीं की। चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि अब तक 85,000 नए वोटर्स जुड़े हैं, लेकिन दलों के बूथ एजेंट्स ने केवल दो आपत्तियां ही दर्ज कराई हैं।

विपक्ष के आरोप

विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया था कि बिना उचित जांच किए लाखों असली मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए। साथ ही कहा गया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए जिन 11 दस्तावेजों की मांग की गई थी, उनमें आधार शामिल नहीं था, जबकि यह सबसे आम और सुलभ पहचान पत्र है।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि हटाए गए मतदाताओं की सूची 19 अगस्त तक प्रकाशित की जाए और 22 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की जाए।

आयोग ने कोर्ट को बताया कि 'ASD वोटर्स लिस्ट' को सभी जिलों जैसे रोहतास, बेगूसराय, अरवल, सिवान, भोजपुर, जहानाबाद, लखीसराय, बांका, दरभंगा, पूर्णिया आदि जगहों पर बूथों पर चिपका दिया गया है और इसे ऑनलाइन भी उपलब्ध करा दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि बिहार में मतदाता सूची की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर उठा विवाद कम होगा और मतदाताओं का चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा मजबूत होगा।

प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर फिर साधा निशाना

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रशांत किशोर लगातार पूरे प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने पीके अपनी पार्टी जनसुराज के लिए लोगों से समर्थन मांग रहे हैं। प्रशांत लालू यादव के परिवार और आरजेडी पर जमकर हमला बोल रहे हैं। अपने चुनावी सभाओं में वह लालू परिवार के भ्रष्टाचार और वंशवाद पर तीखे वार करते हैं। दूसरी ओर नीतीश कुमार और बीजेपी पर भी वह तीखे हमले बोल रहे हैं। पीके की पार्टी जनसुराज के एक्स अकाउंट से तेजस्वी यादव का एक वीडियो शेयर किया गया है।

प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव और राघोपुर के हालात का कोलाज बनाकर एक वीडियो शेयर किया है। प्रशांत किशोर ने प्रदेश में अपनी यात्रा का नाम बिहार बदलाव यात्रा रखा है। इस दौरान वह लगातार पीएम मोदी, बीजेपी और नीतीश

कुमार से रोजगार के नाम पर सवाल मांग रहे हैं। लालू यादव पर जातिवाद और भ्रष्टाचार के नाम पर भी उसी तीव्रता से हमला बोल रहे हैं।

शेयर किया तेजस्वी का वीडियो

प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज के ट्विटर अकाउंट से वीडियो शेयर किया गया है। इसमें चार्टर्ड प्लेन में तेजस्वी का वीडियो है और दूसरी ओर राघोपुर में बाढ़ के हालात हैं। वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है कि जब तक आप जाति पर वोट करते रहेंगे, बिहार के हालात नहीं बदलेंगे।

पीके ने पीएम मोदी की बिहार यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि जब तक बिहार के बच्चे गुजरात में जाकर फैक्ट्रियों में काम करते रहेंगे, तब तक पीएम मोदी के बिहार आने से क्या फायदा होगा? पीके के चुनावी प्रचार में बिहार से पलायन रोकना और रोजगार देना मुख्य मुद्दा है।

बिहार विधानसभा चुनाव में मुकाबला इस बार त्रिकोणीय रहने वाला है। एक तरफ एनडीए है जिसमें बीजेपी, जेडीयू, एलजेपी, हम समेत कुछ और छोटे दल हैं। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन में जिसमें आरजेडी, कांग्रेस, लेफ्ट पार्टियों के साथ कुछ और दल हैं। इसके अलावा, प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज भी मैदान में है। पीके ने बिहार की सभी सीटों से उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। ऐसे में चुनाव त्रिकोणीय नजर आ रहा है।

राकेश झुनझुनवाला की पत्नी के दिलचस्प फैसले ने सबको चौंकाया, बड़ी गिरावट से पहले बेचे 334 करोड़ के शेयर

(जीएनएस)।

शेयर बाजार में सही समय पर लिया गया फैसला कितना बड़ा फर्क डाल सकता है, इसका ताजा उदाहरण दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला बनी हैं। उन्होंने जून 2025 में ही ऑनलाइन रियल-मनी गेमिंग कंपनी नजारा टेक्नोलॉजीज से पूरी तरह बाहर निकलने का बड़ा कदम उठाया था।

रेखा झुनझुनवाला का यह फैसला अब अगस्त में बेहद समझदारी भरा साबित हो रहा है क्योंकि सरकारी सख्ती के बाद नजारा टेक का शेयर एक हफ्ते में करीब 13% टूटकर 1,167 रुपए तक आ चुका है। 18 से 22 अगस्त तक तो यह गिरावट 16.3% प्रतिशत तक आ गई।

बता दें कि मार्च 2025 तक रेखा झुनझुनवाला के पास नजारा टेक में

7.06% हिस्सेदारी के साथ करीब 61.8 लाख शेयर थे। 13 जून 2025 को उन्होंने सारे शेयर औसतन 1,225 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बेच दिए। इस सौदे से उन्हें करीब 334 करोड़ रुपए मिले। यह वही हिस्सेदारी थी जो कभी दिवंगत राकेश झुनझुनवाला के पास 10.82% तक रही थी। रेखा ने इसे पूरी तरह खत्म कर दिया।

शेयरों का हाल (18-22 अगस्त 2025)

कंपनी 18 अगस्त 21 अगस्त गिरावट/बढ़त 22 अगस्त भाव

नजारा टेक 1,394 1,205 - 13% 1,167 रुपए

डेल्टा कॉर्प 83.5 91.21 +9% 89.24 रुपए

ऑनमोबाइल 53.47 53.64 0% 52.51 रुपए

सरकार की सख्ती और असर

हाल ही में सरकार ने ऑनलाइन रियल-मनी गेमिंग पर पाबंदी लगाई। नजारा टेक का बिजनेस लगभग 44% गेमिंग से जुड़ा है, इसलिए दबाव बढ़ा। हालांकि कंपनी यह सर्विस विदेशी मार्केट से भी प्रोवाइड कराती है।